BUSINESS LINE, Delhi, 9.6.2024
Page No. 6, Size:(14.80)cms X (24.09)cms.

Negative bias seen

CRUDE CHECK. MCX futures may dip further

Akhil Nallamuthu
bl. research bureau

Crude oil extended the decline over the past week. Brent crude oil futures on the Intercontinental Exchange (ICE) was down 2.1 per cent as it closed at $79.6 per barrel, whereas crude oil futures on the MCX lost 2 per cent by ending the week at ₹6,323 a barrel.

BRENT FUTURES ($79.6)

Brent Crude futures broke below the lower end of the range and depreciated to mark a low of $76.7. But it recouped some of its losses by recovering to $79.6.

Although the price action appears bearish, Brent futures has a support at $77. At the same time, there is a resistance at $81. Therefore, the next leg of trend depends on which among $77 and $81 breaks first.

Supports below $77 are at $73 and $70. On the other hand, resistances above $81 are at $84 and $90.

MCX-CRUDE OIL (₹6,323)

Crude oil futures (June expiry) dropped below the range of ₹6,400-6,650 early last week. But after marking an intraweek low of ₹6,073, it moved up to close the week at ₹6,323. A break below the above-mentioned range is a bearish sign. Moreover, the crude oil futures stays below the 20-day moving average, which is currently at ₹6,460.

GETTY IMAGES/ISTOCKPHOTO

So, if the bears drag the contract from here this week, it can find support at ₹6,000. A breach of this can intensify the sell-off, potentially leading to a fall to ₹5,550.

On the other hand, if crude oil futures rally from here, it will face a series of resistances. The nearest one is at ₹6,400 followed by ₹6,460. Subsequent one is at ₹6,700. Only a breakout of ₹6,700 can turn the trend bullish again.

Trade strategy: At the moment, the risk-reward ratio is not favourable for short positions even though the contract exhibits bearish bias.

Refrain from taking fresh trades at current prices.

STATESMAN, Delhi, 9.6.2024
Page No. 8, Size:(10.32)cms X (9.72)cms.

India accelerates green hydrogen initiative

The bidding process, covering a total available capacity of 5.39 lakh metric tonnes per annum of green ammonia, will be conducted through e-bidding followed by e-reverse auction

AGENCIES
NEW DELHI, 8 JUNE

India took a crucial step towards the demand creation of green hydrogen and its derivatives in the country on Saturday.

The Solar Energy Corporation of India (SECI) issued a Request for Selection (RfS) to select green ammonia producers for manufacturing green ammonia in India through cost-based competitive bidding, according to the Ministry of New and Renewable Energy.

This initiative falls under Mode 2A of the Strategic Interventions for Green Hydrogen Transition (SIGHT) Programme, part of the National Green Hydrogen Mission, which is implemented by the Ministry of New & Renewable Energy.

The bidding process, covering a total available capacity of 5.39 lakh Metric Tonnes (MT) per annum of green ammonia, will be conducted through e-bidding followed by e-reverse auction. The produced green ammonia will be supplied to fertiliser companies.

Earlier, the Ministry had issued Scheme Guidelines for implementing Component II of the SIGHT Programme, specifically focusing on incentivizing the procurement of green ammonia production (under Mode 2A) of the National Green Hydrogen Mission. The Solar Energy Corporation of India has been selected as the implementing agency for this Scheme.

Within the broader SIGHT Programme ambit, the Ministry has already allocated 4.12 lakh metric tonnes (MT) per annum of green hydrogen production capacity and 1.5 GW per annum of electrolyzer manufacturing capacity.

The National Green Hydrogen Mission, inaugurated on January 4, 2023, with an outlay of Rs. 19,744 crores until FY 2029-30, is poised to contribute significantly to India's endeavour to achieve self-reliance (Aatmanirbhar) through clean energy initiatives. It serves as a beacon for the global clean energy transition.

This mission holds the promise of substantial decarbonisation of the economy, curbing dependence on fossil fuel imports, and positioning India as a frontrunner in both technology and market aspects of Green Hydrogen.

The initiative by the ministry lays the groundwork for a greener, more sustainable future, in alignment with India's commitment to combat climate change and foster inclusive growth.

SUNDAY STANDARD, Delhi, 9.6.2024
Page No. 10, Size:(7.99)cms X (11.68)cms.

GoGas milestone: Inaugurates 100th auto LPG stations in TN

Chennai: In a landmark achievement, GoGas, the pioneering force in the Indian LPG sector, proudly announces the inauguration of its 100th Auto LPG Dispensing Station in Tamil Nadu. This remarkable feat solidifies GoGas's position as the only private player in the Indian LPG industry to reach this unprecedented milestone. The newly inaugurated station, strategically located at ARCOT Road Vadapalanai, Kodambakkam, exemplifies GoGas's unwavering commitment to delivering clean, efficient, and eco-friendly fuel solutions across Tamil Nadu. This expansion reflects the company's relentless drive to promote Auto LPG as a superior, sustainable alternative to traditional fuels, significantly reducing the carbon footprint and paving the way for a greener future.

NAVBHARAT TIMES, Delhi, 9.6.2024
Page No. 1, Size:(20.85)cms X (16.11)cms.

नरेला की दाल फैक्ट्री में आग, 3 मौतें

पाइपलाइन में गैस लीक से फटा बॉयलर, 6 कर्मचारी झुलसे

PTI

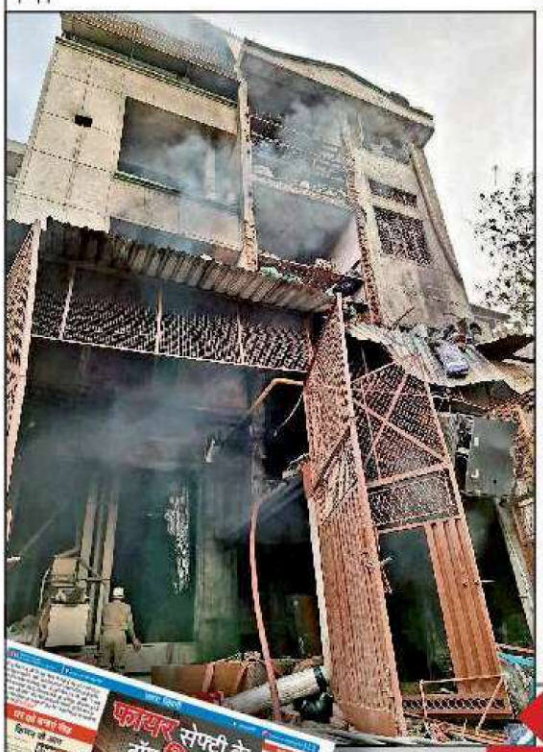

■ विशेष संवाददाता, नरेला

आउटर नॉर्थ दिल्ली के नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में शनिवार सुबह मूंग दाल की प्रोसेसिंग से जुड़ी फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे के दौरान फैक्ट्री के अंदर 9 कर्मचारी फंस गए, जिनमें से 3 की मौत हो गई, जबकि 6 लोग झुलस गए। इनमें पांच की हालत स्थिर बनी हुई है। आउटर नॉर्थ के DCP रवि कुमार सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला कि फैक्ट्री में कच्ची मूंग को गैस बर्नर पर भूना जाता है। दो शिफ्ट में कर्मचारी काम करते थे। मशीन फैक्ट्री के ग्राउंड फ्लोर पर लगी थी, जबकि कर्मचारी ऊपर की मंजिल में रहते थे। शुक्रवार रात नाइट शिफ्ट वाले कर्मचारी काम कर रहे थे। वहां पर एक पाइपलाइन में गैस लीक होने लगी, जिससे आग फैल गई तो बॉयलर फट गया। DCP के मुताबिक, हमें पता चला था कि फैक्ट्री के अंदर 9 लोग फंस गए हैं, उन्हें निकालकर नरेला के हॉस्पिटल में भेजा गया था। वहां श्याम (24), राम सिंह (30) और वीरपाल (42) को मृत घोषित कर दिया गया। ▶▶पेज 3

दमकल की 14 गाड़ियां आग बुझाने में शाम तक जुटी रहीं

10 साल से चल रही फैक्ट्री में फायर सेफ्टी के इंतजाम नहीं किए गए थे।

फैक्ट्री के दोनों मालिक किए गए अरेस्ट

■ एक अधिकारी ने बताया कि फैक्ट्री मालिक रोहिणी निवासी अंकित गुप्ता और विनय गुप्ता हैं, जिन्हें अरेस्ट कर लिया गया है। यह फैक्ट्री 2010 से चल रही थी। उनके पास फायर डिपार्टमेंट से NOC नहीं थी। शुरुआती जांच में पता चला है कि फैक्ट्री में सुरक्षा के उपाय नहीं किए गए थे।

जस्ट ज़िंदगी
गर्मियों में आग से कैसे रहें सुरक्षित

NAVBHARAT TIMES, Delhi, 9.6.2024
Page No. 1, Size:(20.85)cms X (16.11)cms.

फूड फैक्ट्री में आग, 3 की मौत, 6 ज़खमी

■ विशेष संवाददाता, नरेला

गैस लीक होने के बाद बॉयलर फटने से लगी आग

दमकल की 16 गाड़ियों ने 18 घंटे में बुझाई आग

पुलिस ने फैक्ट्री के दो मालिकों को किया अरेस्ट

नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में शनिवार तड़के मूंग दाल ड्राई करने वाली एक फैक्ट्री में भीषण आग लगने से तीन लोगों के मौत हो गई, जबकि 6 लोग जख्मी हो गए। दमकल की 16 गाड़ियां और कैट्स एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं। करीब 8 घंटे की मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। घायलों का सफदरजंग अस्पताल में इलाज चल रहा है। पांच की हालत स्थिर बनी हुई है। एक को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। शुरुआती जांच में पता चला है कि फैक्ट्री में लगा बॉयलर फटने के बाद हुए जोरदार धमाके से आग लगी। पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है। हादसे को लेकर पुलिस ने शनिवार शाम फैक्ट्री मालिक अंकित गुप्ता और विनय गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। छानबीन में पता चला कि फैक्ट्री के पास फायर की एनओसी नहीं थी। हालांकि फायर सेफ्टी के कुछ उपकरण लगाए हुए थे।

सभी घायलों को नरेला के अस्पताल से सफदरजंग रेफर किया गया

आउटर नॉर्थ डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि आग की कॉल मिली थी। पुलिस फैक्ट्री में पहुंची। पता चला कि कुछ लोग अंदर फंसे हैं। फैक्ट्री से 9 लोगों को निकालकर नरेला के एसएचआरसी अस्पताल भेजा गया, जहां तीन को मृत घोषित कर दिया गया। इनकी पहचान श्याम(24), राम सिंह(30) और वीरपाल(42) के तौर पर हुई। पुष्पेंद्र(26), आकाश(19), मोहित कुमार(21), मोनू(25), लालू(32) घायल हो गए। इन्हें सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया। रवि(25) मामूली रूप से जख्मी हैं।

हुआ धमाका : नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में बनी इसी फैक्ट्री में शनिवार तड़के भीषण आग लगी थी। जांच में पता चला है कि फैक्ट्री के पास फायर की एनओसी नहीं थी

श्याम

वीरपाल

राम सिंह

कैसे हुआ हादसा

डीसीपी रवि कुमार सिंह के मुताबिक, फैक्ट्री मालिक अंकित गुप्ता और विनय गुप्ता रोहिणी सेक्टर-7 में रहते हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि कच्ची मूंग को गैस बर्नर पर भूना जाता है। वे शिफ्ट में कर्मचारी यहां काम करते थे। मशीनें फैक्ट्री के ग्राउंड फ्लोर पर लगी थीं, जबकि कर्मचारी ऊपर की मंजिल में रहते थे। शुक्रवार को नाइट शिफ्ट वाले कर्मचारी काम कर रहे थे। तभी एक पाइपलाइन में गैस लीक होने लगी। जिस कारण आग फैल गई। इसकी वजह से वहां कंप्रेसर गर्म हो गया और बॉयलर फट गया। फिलहाल संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दर्द: आग में अपनों को खोने के बाद मोर्चरी के बाहर पीड़ित परिवार के लोग बॉडी मिलने का इंतजार करते रहे। हर कोई दुख में डूबा हुआ था। दिल का दर्द उनकी आंखों से छलक रहा था

VIRAT VAIBHAV, Delhi, 9.6.2024
Page No. 15, Size:(9.06)cms X (13.93)cms.

ओएनजीसी ने मुंबई हाई से उत्पादन बढ़ाने के लिए तकनीकी मदद मांगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ओएनजीसी ने अरब सागर स्थित अपने मुंबई हाई क्षेत्र से तेल एवं गैस उत्पादन बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभवी तकनीकी सेवा प्रदाता से मदद मांगी है। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उसने मुंबई हाई क्षेत्र से उत्पादन बढ़ाने में मदद करने वाले सेवा प्रदाता की पहचान करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय निविदा जारी की है। तेल एवं गैस कंपनी ने कहा, विशाल बहुस्तरीय मुंबई हाई क्षेत्र ने 48 साल पहले 1976 में उत्पादन शुरू किया था लेकिन इस समय यह उत्पादन के अपने परिपक्व चरण में है। ओएनजीसी ने उत्पादन में सुधार के लिए इस क्षेत्र में कई योजनाएं लागू की हैं। मुंबई हाई क्षेत्र के संरक्षक और संचालक के रूप में ओएनजीसी एक वैश्विक तकनीकी सेवा प्रदाता के साथ मिलकर काम करना चाहती है। सेवा प्रदाता के साथ 10 साल के लिए अनुबंध किया जाएगा। अनुबंध को अगले पांच साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। सेवा प्रदाता उत्पादन बढ़ाने के लिए तकनीकी समाधान देगा। उसे एक निश्चित शुल्क और बढ़े हुए उत्पादन से हुई आय का एक हिस्सा दिया जाएगा। मुंबई हाई क्षेत्र, मुंबई के तट से 160 किलोमीटर दूर स्थित है और भारत के तेल उत्पादन में इसकी लगभग 38 प्रतिशत हिस्सेदारी है।